Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 10, Issue 02, July-December, 2022
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2022

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित पीएच.डी. (संगीत) शोध प्रबंधों का संक्षिप्त प्रलेखन एवं समीक्षा

DR. RAMANDEEP KAUR[1] & PROF. (DR.) GURPREET KAUR[2]

[1]Assistant Professor, Deptt. of Music, Guru Nanak Dev University, Amritsar
[2]Faculty of Visual & Performing Arts, Guru Nanak Dev University, Amritsar

सारांश

दिल्ली विश्वविद्यालय NAAC द्वारा A^+ ग्रेड प्राप्त है। यहां कुल 86 के करीब शैक्षणिक विभाग है जिनमें से संगीत विभाग की अपनी ही एक विलक्षण पहिचान है। संगीत विभाग की नींव सन् 1961 में सर शंकर लाल फाउंडेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग से एक बंदोबस्ती निधि की सहायता से प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और पूर्व शिक्षामन्त्री डॉ. वी. के. आरवीराव द्वारा रखी गई थी। यह विभाग अपनी सांगीतिक गतिविधियों में सदैव क्रियाशील रहा है। सांगीतिक प्रतियोगिताएं एवम् सांगीतिक प्रदर्शनों का विशेष मंच रहा है। वर्तमान काल में दिल्ली विश्वविद्यालय का संगीत विभाग व संकाय शिक्षा एवं शोध की उच्चस्तरीय गुणवत्ता में कर्मशील, प्रगतिशील, प्रयासरत्त एवम् सत्तत उन्नतशील है। सांगीतिक शोध की दिशा में इतने अधिक प्रयास एवं उपलब्धियों का होना उक्त विभाग की गुणवत्ता, दूरदर्शिता व लक्ष्य सिद्धि को दर्शाता है।

मुख्य शब्द: दिल्ली विश्वविद्यालय, पीएच.डी. (संगीत)।

भूमिका

दिल्ली विश्वविद्यालय भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। ''भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित इस विश्वविद्यालय की स्थापना सन् 1922 में ब्रिटिश भारत के तत्कालीन केन्द्रीय विधान सभा के एक अधिनियम द्वारा एकात्मक शिक्षण और आवासीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी।''[1] भारतवर्ष के जिन विश्वविद्यालयों में संगीत एवं ललित कलाओं के पाठ्यक्रम प्रारम्भ कर इनकी गहन शिक्षा का प्रबन्ध एवं उल्लेखनीय कार्य किया गया, उनमें दिल्ली विश्वविद्यालय का वर्णन आवश्यक है। दिल्ली विश्वविद्यालय सन् 1922 में स्थापित हुआ तथापि उसमें संगीत के पठन-पाठन की व्यस्था 'संगीत कला संकाय' की स्थापना के उपरांत संभव हुई।''हरि सिंह गैर सन् 1922 से 1926 तक विश्वविद्यालय के पहले कुलपति और सर्वपल्ली राधा कृष्ण (13 मई 1952 से 12 मई 1926 तक) दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलधिपति थे।''[2] प्रो. डॉ. कृष्णा बिष्ट ने अपने साक्षात्कार में बताया ''इस विभाग की नींव सन् 1961 में सर शंकर लाल फाउंडेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग से एक बंदोबस्ती निधि की सहायता से प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और पूर्व शिक्षामन्त्री डॉ. वी.के.आर.वी.रॉव द्वारा रखी गई थी।संगीत विभाग की पहले पुरानी बिल्डिंग थी वह ओल्ड जुबली हॉल कहलाती थी। यह मिरांडा हाउस के पीछे थी, उसमें यह डिपार्टमेंट शुरू हुआ उस समय कमरे बहुत कम थे, हम बहुत कम विद्यार्थी थे उस समय गुरु शिष्य परंपरा की तरह हमारी तालीम होती थी।''[3]

''स्वं. पंडित देबू चौधरी जी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में अपने कार्यकाल के समय विभाग को नयी ईमारत दिलवाने के लिए अनेको अथक प्रयास किये जिसके फलस्वरूप सन् 1967 में संगीत विभाग पुराने अंग्रेजों के ज़माने के मिलिट्री बैरकों से निकल कर नई ईमारत में आ गया। विभाग को नई बड़ी बिल्डिंग मिली जिसका श्रेय प्रो. श्रीमति सुमती मुटाटकर (पूर्व डीन) व तत्कालीन डीन प्रो. देबू चौधरी दोनों को जाता है।''[4] विभाग की यह विशेषता है कि यहां अधिकांश शिक्षक निर्देशन, प्रदर्शन एवं सिद्धान्त तीनों क्षेत्र में सिद्धहस्त है। विभाग के कुछ श्रेणीबद्ध कलाकार शोध निर्देशक के रूप में भी मननशील है और जिनके निर्देशन में उत्कृष्ट क्रियात्मक शोध विषयों का निरूपण व

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 10, Issue 02, July-December, 2022
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2022

प्रतिपादन किया गया है जिससे रचनात्मकता को अत्यंत बढ़ावा मिला है वहीं दुर्लभ गायन/वादन रचनाओं के संग्रह एवं प्रयोगधर्मिता को भी प्रोत्साहन मिला है। सन् 2019 से विभागाध्यक्ष एवं डीन संकाय के पद पर प्रो. (डॉ.) दीप्ती भल्ला सुशोभित हैं। आज लगभग 55 अध्यापकों के निर्देशन में अनेकों एम.फिल एवम् पीएच.डी के शोध कार्य सम्पन्न हुए है और हो रहे है। बड़ी फैक्लटी होने के कारण शोध का स्तर, विषय, संख्यात्मक एवं गुणात्मक दोनों दृष्टियों से भव्य और विस्तुत है। सन् 1971 से लेकर सन् 2005 तक विभाग के सुयोग्य निर्देशकों के दिशा निर्देशन में संगीत सम्बंधित कुल 174 शोध प्रबंध सम्मानित हो चुके हैं। जिनका सांख्यिकी अध्ययन किया गया है।'

समयाविधि अनुसार पीएच.डी हिन्दी, अंग्रेजी एवं मराठी भाषा के शोध प्रबंधों की गणना

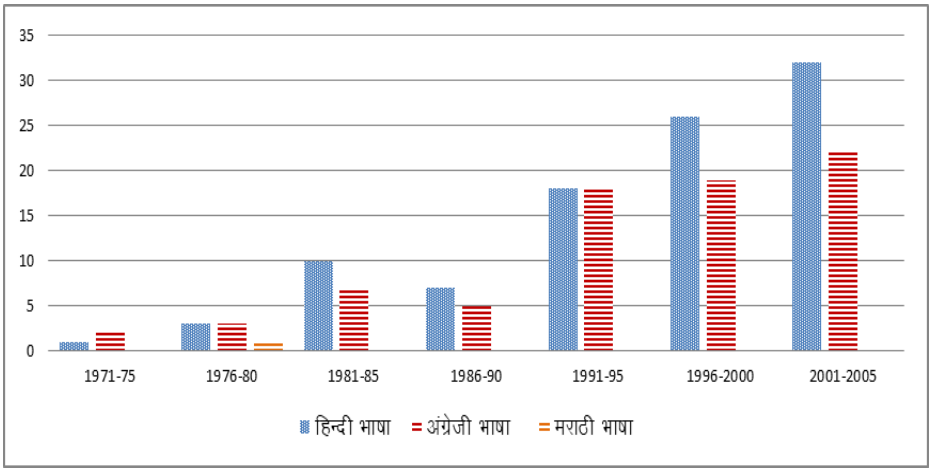

प्राप्तआंकड़े

कुल 174 हिन्दी(1), अंग्रेजी(2) व मराठी(3) शोध प्रबंधों में से 1971-75 (1+2=3), 1976-80(3+3+1=7), 1981-85(10+7=17), 1986-90 (7+5=12), 1991-95(18+18=36), 1996-2000 (26+19=45), 2001-2005(32+22=54) शोध कार्य सम्मानित हुए है।

हिन्दी व मराठी भाषाई शोध प्रबंधों की गणना का आंकड़ा

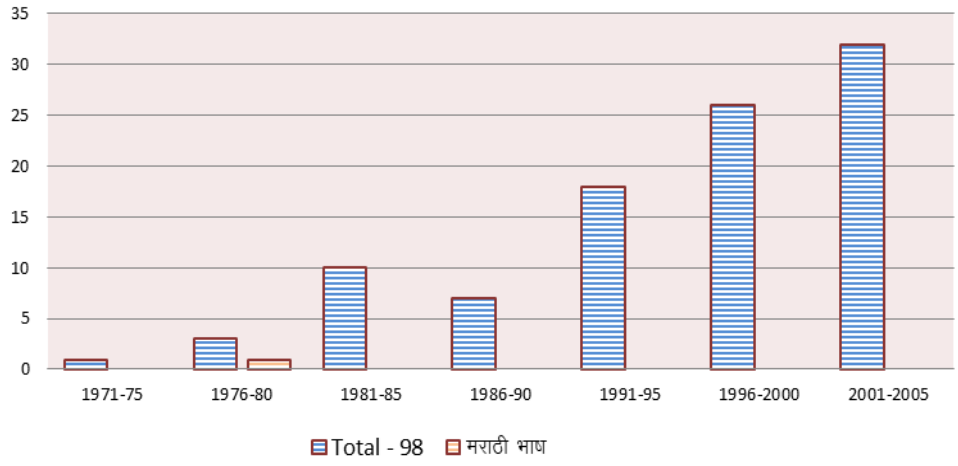

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 10, Issue 02, July-December, 2022
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2022

प्राप्त तथ्य

सन् 1971-75 (1), 1976-80 (4), 1981-85 (10), 1986-90 (7), 1991-95 (18), 1996-2000 (26) एवं 2001-2005 तक (32) हिन्दी भाषाई शोध कार्य सम्मानित हुए है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में सन् 1971 से 2005 में शोध निर्देशकों द्वारा हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषाई शोध प्रबन्धों के आंकड़ा

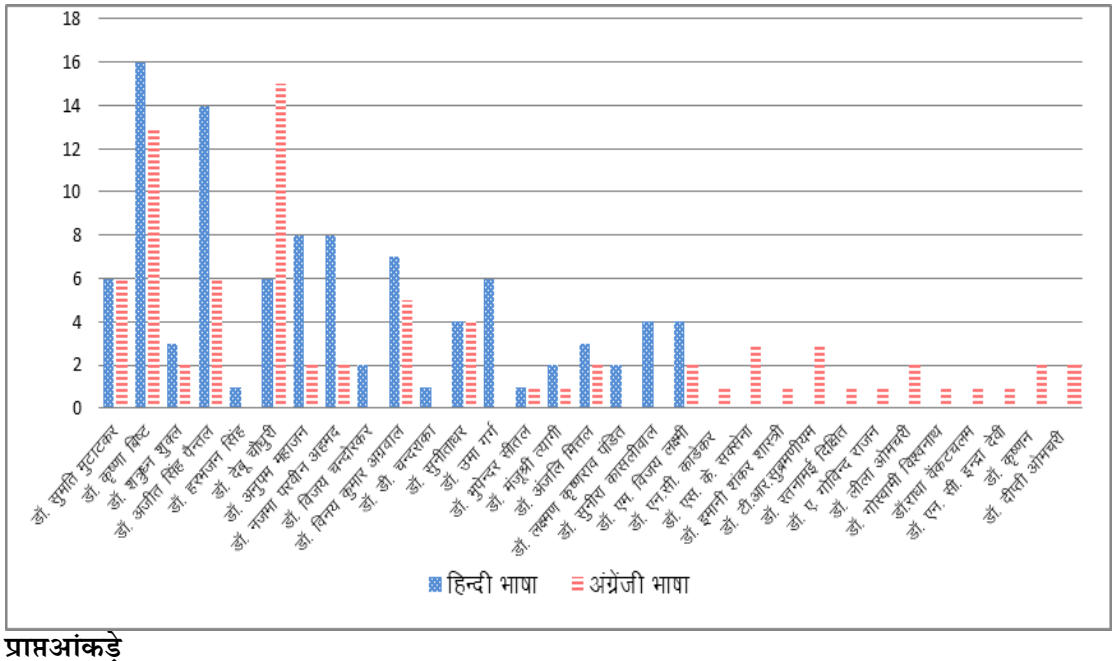

प्राप्तआंकड़े

उपरोक्त तालिका में क्रमशः हिन्दी, अंग्रेजी भाषाओं के सन्दर्भ में डॉ. सुमति मुटाटकर (6+6=12), डॉ. कृष्णा बिष्ट (16+13=29), डॉ शत्रुध्न शुक्ल (3+2=5), डॉ. अजीत सिंह पैन्तल (13+6=19), डॉ. हरभजन सिंह हिन्दी1,डॉ. देबू चैधुरी (6+13=19), डॉ. अनुपम महाजन (8+2=10), डॉ. नजमा परवीन अहमद (8+2=10), डॉ. विजय चन्दोरकर हिन्दी भाषा2, डॉ. विनय कुमार अग्रवाल (7+5=12), डॉ. डी. चन्दराका1, (डॉ.) सुनीताधर (4+4=8), डॉ. उमा गर्ग हिन्दी 6, डॉ. भुपेन्दर सीतल (1+1=2), डॉ. मंजूश्री त्यागी (2+1=3), डॉ. अंजलि मित्तल (3+2=5), डॉ. लक्ष्मण कृष्णराव पंडित हिन्दी भाषा 2, डॉ. सुनीरा कासलीवाल अंग्रेजी 4, डॉ. एम. विजय लक्ष्मी (4+2=6), डॉ. एन.सी. काडेकर अंग्रेजी 1, डॉ. एस. के. सक्सेना 3] डॉ. इमानी शंकर शास्त्री अंगे्रजी 1, डॉ. टी.आर.सुब्रमणीयम अंग्रेजी 3, डॉ. रतनामई दिक्षित अंग्रेजी 1, डॉ. ए. गोविन्द राजन अंग्रेजी 1, डॉ. लीला ओमचरी अंगे्रजी 2, डॉ. गोस्वामी विश्वनाथ अंगे्रजी 1, डॉ.राधा विक्टल अंग्रेजी 1,डॉ . एन. सी. इन्द्रा देवी अंग्रेजी 1, डॉ. कृष्णन अंग्रेजी 2, डॉ. दीप्ती ओमचरी अंग्रेजी 2 शोध कार्य सम्मानित हो चुके है।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 10, Issue 02, July-December, 2022
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2022

20 विविध शोध निदेशकों द्वारा निर्देशित शोध प्रबन्धों के आंकड़े

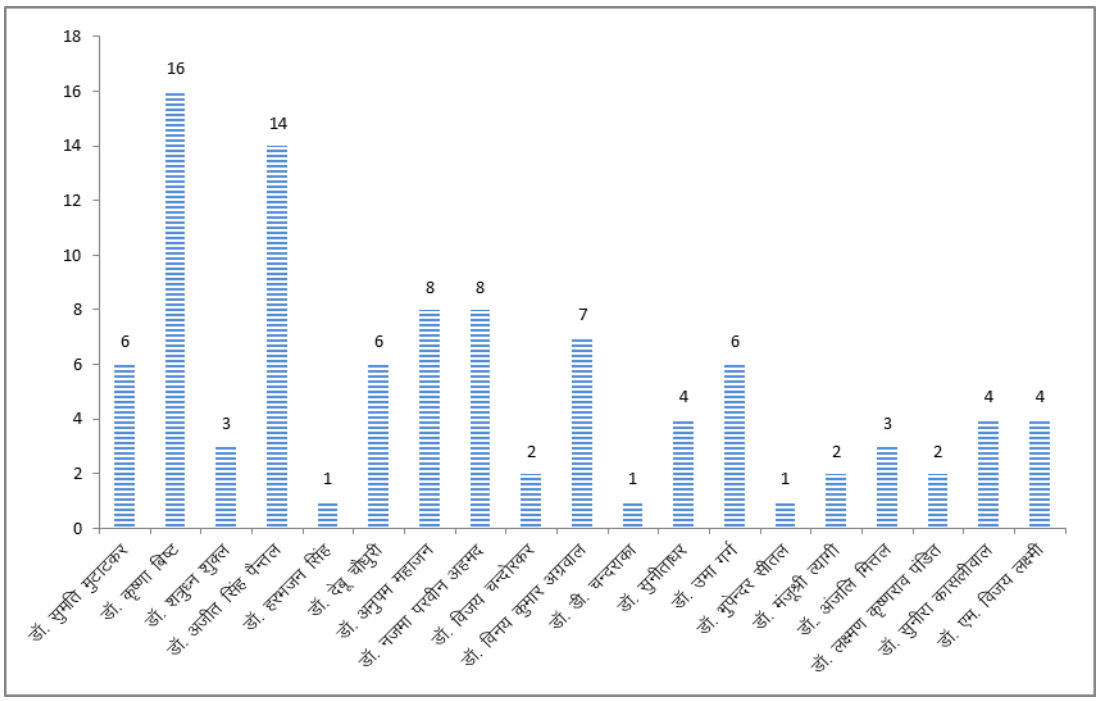

प्राप्त आंकड़े

डॉ. सुमति मुटाटकर (6), डॉ. कृष्णा बिष्ट (16), डॉ शत्रुध्न शुक्ल (3), डॉ. अजीत सिंह पैन्तल (14), डॉ. हरभजन सिंह (1), डॉ. देबू चौधरी (6), डॉ. अनुपम महाजन (8), डॉ. नजमा परवीन अहमद (8), डॉ. विजय चन्दोरकर (2), डॉ. विनय कुमार अग्रवाल (7), डॉ. डी. चन्दराका (1), डॉ. सुनीताधर (4), डॉ. उमा गर्ग (6), डॉ. भुपेन्दर सीतल (1), डॉ. मंजूश्री त्यागी (2), डॉ. अंजली मित्तल (3), डॉ. लक्ष्मण कृष्णराव पंडित (2), डॉ. सुनीरा कासलीवाल (4), डॉ. एम. विजय लक्ष्मी (4) शोध कार्य सम्मानित हो चुके है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में (सन् 1971 से 2005) हिन्दी व अंग्रेजी भाषाई पीएच. डी. शोध प्रबंधों का शोध विषय निरूपण, वर्गीकरण एवं प्राप्त आंकडें।

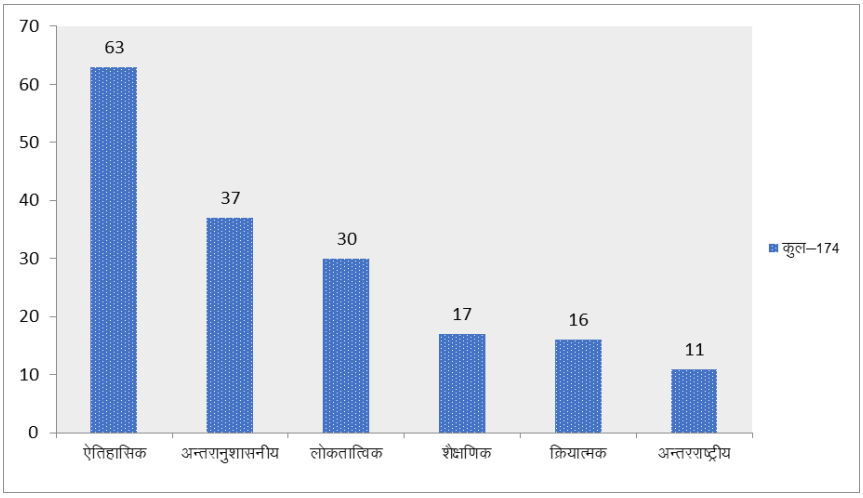

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 10, Issue 02, July-December, 2022
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2022

प्राप्त आंकड़े के अनुसार

प्राप्त आंकडों के अनुसार सन् 1971 से लेकर सन् 2005 तक विभाग के सुयोग्य निर्देशकों के दिशा निर्देशन में संगीत सम्बंधित कुल 174 शोध प्रबंध सम्मानित हो चुके है जिनमें से 97 (हिन्दी), 1 (मराठी) एवं 76 (अंग्रेजी) भाषा में हैं। उक्त सभी शोध कार्य विविध व विस्तृत शोध क्षेत्रों में चयनित किए गए हैं यथा ऐतिहासिक, क्रियात्मक, लोकतात्विक, अन्तरनुशास्नीय, शैक्षणिक, इत्यादि। उपरोक्त तालिका में क्रमशः हिन्दी व अंग्रेज़ी भाषाओं के संदर्भ में ऐतिहासिक (63), अन्तरानुशासनीय (37), लोकतात्विक (30), शैक्षणिक (17), क्रियात्मक (16), अन्तरराष्ट्रीय (11) शोध कार्य सम्मानित हो चुके है।

निष्कर्ष

उक्त सम्मानित विविध शोध प्रबन्धों के माध्यम से ज्ञान की विविध नवीन शाखाओं का विकास हुआ है, शोध सम्बन्धित नवीन संम्भावनाओं का प्रार्दुभाव एवं नवीन मार्ग प्रशस्त हुए जिससे विभाग के विकास हेतु राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर एक साकारात्मक दिशा प्रकाशमान हुई जिससे दिल्ली विश्वविद्यालय का संगीत संकाय अपने उच्चतम् गौरव व गर्व को प्राप्त करने की लक्ष्यसिद्धि में उदयीमान हो सका। वर्तमान काल में दिल्ली विश्वविद्यालय का संगीत विभाग व संकाय शिक्षा एवं शोध की उच्चस्तरीय गुणवत्ता में कर्मशील, प्रगतिशील, प्रयासरत्त एवम् सत्तत उन्नतशील है। सांगीतिक शोध की दिशा में इतने अधिक प्रयास एवं उपलब्धियों का होना उक्त विभाग की गुणवत्ता, दूरदर्शिता व लक्ष्य सिद्धि को दर्शाता है।

संदर्भ

1 www.delhiuniversity.du.ac.in
2 www.delhiuniversity.du.ac.in
3 भूतपूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. कृष्णा बिष्ट से किए गए साक्षात्कार द्वारा प्राप्त सूचना
4 प्रो. डॉ. प्रतीक चौधरी से किए गए साक्षात्कार द्वारा प्राप्त सूचना
5 दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष से प्राप्त सूचना के आधार पर।